ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय- व्याकरण

दिनांक—07/10/2020 वाक्य

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

“पदों का वैसा समूह, जो पूर्णभाव को स्पष्ट करे, यानी जिसके सुनने से कहनेवाले का अभिप्राय समझ में आ जाए, 'वाक्य' कहलाता है।"

जैसे–मेरे लिए यह कहना कठिन है कि गिरीश कर्नाड बड़े लेखक हैं या बड़े अभिनेता या बड़े निर्देशक।
~~~~~~~~~~

<u>वाक्य के अंग</u>

वाक्य के दो अंग होते हैं-

उद्देश्य और विधेय।

<u>उददेश्य</u> –

वाक्य में जिसके बारे में कुछ बताया या कहा जाता है, वह उद्देश्य कहलाता है; जैसे-

<u>मोहन</u> कविता पढ़ता है।

<u>मेरा भाई मोहन</u> कविता पढ़ता है।

<u>सूरज</u> चमक रहा है।

<u>गाय</u> घास चर रही है।

<u>कुत्ता</u> सो गया है।

<u>विधेय--</u>

वाक्य में उद्देश्य के बारे में जो कुछ बताया जाता है या कहा जाता है, उसे विधेय कहा जाता है; जैसे-

माता जी सैर कर रही हैं।

उन्मुक्त को नींद आ गई है।

मधुर चाय बना रहा है।

सरोज शरबत पी रही है।

उद्देश्य की क्रियाओं या कर्म के विषय में जो कहा जाए, वह विधेय है। यों उद्देश्य का अपना विस्तार भी होता है, परंतु उसे हम विधेय नहीं कह सकते।

छात्र कार्य-प्रस्तुत पाठ्य सामग्री को लिखें एवं याद करें।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"